जनसंपर्क कार्यालय
जामिया मिल्लिया इस्लामिया

10 फरवरी, 2025

प्रेस विज्ञप्ति

जामिया मिल्लिया इस्लामिया ने विकसित भारत अभियान के अंतर्गत "आपदा जोखिमों का प्रबंधन: आपदाओं को सभी का व्यवसाय बनाना" विषय पर व्याख्यान आयोजित किया

भारत सरकार की विकसित भारत पहल के अंतर्गत जामिया मिल्लिया इस्लामिया के भूगोल विभाग ने 6 फरवरी, 2025 को "मैनिजिंग डिजास्टर रिस्क्स : मेकिंग डिजास्टर्स एव्रिवन्स बिजनेस " विषय पर व्याख्यान आयोजित किया। यह व्याख्यान बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (बीएसडीएमए) के पूर्व उपाध्यक्ष श्री अनिल कुमार सिन्हा, आईएएस (सेवानिवृत्त) द्वारा दिया गया। इस कार्यक्रम में प्रतिष्ठित अतिथियों, प्रख्यात संकाय सदस्यों और छात्रों ने भाग लिया जो शिक्षा, अनुसंधान एवं सामुदायिक सेवा हेतु संस्थान की स्थायी प्रतिबद्धता का सम्मान करने के लिए एकत्र हुए । भूगोल विभाग के अध्यक्ष प्रो. हारून सज्जाद ने अतिथि वक्ता, संकाय सदस्यों और छात्रों का स्वागत किया। सत्र की अध्यक्षता प्रो. मोहम्मद इश्तियाक ने की।

श्री अनिल कुमार सिन्हा ने आपदा प्रबंधन की अवधारणा और घटकों का परिचय देते हुए अपना व्याख्यान शुरू किया। उन्होंने अपने व्याख्यान को 12 भागों में वर्गीकृत किया। अपने व्याख्यान में उन्होंने समाज के सभी वर्गों को आपदा प्रबंधन की समझ होने के बारे में बल दिया। उन्होंने यह बताया कि कुछ विशेषाधिकार प्राप्त वर्ग के पास सुरक्षा जाल है परंतु शेष बहुमत के पास नहीं है। सरकारी नीति और नियोजन के बीच एक अंतर है। उन्होंने ऐसी स्थितियों का सहारा लेने के लिए उपचारात्मक उपायों की आवश्यकता पर रोशनी डाली । श्री सिन्हा ने उल्लेख किया कि आपदाओं को रहस्यपूर्ण बनाने और सरल बनाने की आवश्यकता अधिक है। उन्होंने तीन आपदा व्यक्तित्वों के बारे में बताया: रुक जाना, घबरा जाना और क्या एवं किस प्रकार निपटना करना है? उन्होंने यह कहा कि इनमें से तीसरा सबसे सक्रिय और जीवन रक्षक है। उन्होंने आगे विस्तार से बताते हुए विभिन्न प्रकार की आपदाओं में खतरे के मैपिंग की आवश्यकता को समझाया। श्री सिन्हा ने भूकंप के मामले में डक, कवर और होल्ड जैसी रणनीतियों का उल्लेख किया। इसी प्रकार उन्होंने आग लगने की स्थिति में डक, कवर और रोल की रणनीति के बारे में बताया। अपने प्रेरक भाषण का समापन करते हुए वक्ता ने प्रतिभागियों को नेपाल एवं बिहार में हाल ही में विकसित भूकंप सुरक्षा क्लीनिकों की उभरती अवधारणा पर विचार करने के लिए छोड़ दिया। व्याख्यान के बाद उन्होंने कोबे, जापान में अपने शोध के दौरान जीवन के अपने अमूल्य अनुभव साझा किए।

व्याख्यान के उपरांत भूगोल और आपदा प्रबंधन के शोधार्थियों और छात्रों के साथ एक संवादात्मक चर्चा हुई। प्रो. मोहम्मद इश्तियाक ने अपना अध्यक्षीय उद्बोधन दिया। इस ज्ञानवर्धक कार्यक्रम में प्रो. अतीकुर रहमान, प्रो. लुबना सिद्दीकी, डॉ. आसिफ, डॉ. इस्माइल हक और भूगोल विभाग के छात्र शामिल हुए। डॉ. ग़ज़ल सलाहुद्दीन, प्रभारी – विस्तार व्याख्यान और वेबिनार ने कार्यक्रम का संचालन किया और औपचारिक धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया। यह व्याख्यान सभी शोधार्थियों और छात्रों हेतु एक जीवंत शिक्षण कार्यक्रम था।

जनसंपर्क कार्यालय
जामिया मिल्लिया इस्लामिया